खेल विभाग
बिहार सरकार

SHOOTING

शूटिंग

अनुक्रमणिका

क्र0	विषय	पृष्ठ सं0
1.	शूटिंग का इतिहास	3
2.	नियम	4
3.	मार्किंग	5
4.	स्कोर शीट	6
5.	उपस्कर	7
6.	शूटिंग में उपयोग होने वाले शब्द	8
7.	संघ	9
8.	प्रतियोगिताएँ	10
9.	भारत और बिहार के खिलाड़ियों का प्रदर्शन	11—12
10.	**FAQ**	13

शूटिंग का इतिहास

शूटिंग स्पोर्ट्स (Shooting Sports) या निशानेबाजी खेल एक ऐसा खेल है जिसमें सटीकता, एकाग्रता और नियंत्रण का परीक्षण होता है। इसकी परिभाषा इस प्रकार हैः

'शूटिंग स्पोर्ट्स, प्रतिस्पर्धात्मक और मनोरंजक खेल गतिविधियों का एक समूह है जिसमें निशानेबाजी में सटीकता, परिशुद्धता और गति की दक्षता का परीक्षण किया जाता है। इसमें विभिन्न प्रकार की दूर तक मार करने वाले हथियारों, जैसे राइफल, पिस्टल और शॉटगन का उपयोग करके स्थिर या गतिशील लक्ष्यों पर निशाना लगाया जाता है।'

यह खेल मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में बंटा हुआ हैः

1. राइफल शूटिंगः इसमें खिलाड़ी अलग–अलग दूरियों (जैसे 10 मीटर, 50 मीटर) से स्थिर लक्ष्यों पर निशाना लगाते हैं। इसमें 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस जैसे इवेंट शामिल हैं।
2. पिस्टल शूटिंगः इसमें भी खिलाड़ी विभिन्न दूरियों से स्थिर लक्ष्यों पर निशाना लगाते हैं, जैसे 10 मीटर एयर पिस्टल या 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल।
3. शॉटगन शूटिंर्गः इसमें खिलाड़ी चलती हुई डिस्क (क्ले टारगेट) पर निशाना लगाते हैं। इसके मुख्य इवेंट ट्रैप (ज्तंच) और स्कीट (Skeet) हैं।

नियम

1. सुरक्षा नियम (Safety Rules)

सुरक्षा निशानेबाजी का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। ये नियम सभी प्रतियोगिताओं और अभ्यास सत्रों में अनिवार्य होते हैं।

- हथियार का नियंत्रणः जब तक खिलाड़ी शूटिंग लाइन पर न हो, तब तक बंदूकें हमेशा खोली हुई (unloaded) और सेफ्टी फ्लैग के साथ होनी चाहिए।
- हथियार को दिशा देनाः किसी भी हालत में, बंदूक को किसी व्यक्ति की ओर नहीं मोड़ा जा सकता। बंदूक का बैरल (Barrel) हमेशा लक्ष्य की ओर या सुरक्षित दिशा में होना चाहिए।
- सुरक्षा गियरः शूटिंग के दौरान सभी खिलाड़ियों को आँखों की सुरक्षा के लिए शूटर के चश्मे (Shooting Glasses) और कानों की सुरक्षा के लिए ईयर मफ्स (Ear Muffs) पहनना अनिवार्य है।
- रेंज में मूवमेंटः शूटिंग रेंज में रेफरी की अनुमति के बिना किसी भी खिलाड़ी को अपनी जगह से आगे नहीं बढ़ना चाहिए।

2. राइफल और पिस्टल के सामान्य नियम

- स्कोरिंग (Scoring): लक्ष्य (Target) पर 1 से 10 तक के अंक बने होते हैं, जिसमें 10 अंक सबसे बीच वाले रिंग के लिए होता है। इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग सिस्टम का उपयोग किया जाता है जो वार के ठीक बाद अंक बताता है।
- फाइनल राउंड: क्वालिफिकेशन राउंड के बाद, सबसे ज्यादा अंक हासिल करने वाले शीर्ष 8 खिलाड़ी फाइनल राउंड में प्रवेश करते हैं। फाइनल में अंक नए सिरे से शुरू होते हैं, और पिछले अंक नहीं गिने जाते।
- पोजीशन (Position): राइफल शूटिंग में कई पोजीशन होती हैं, जैसेः
  - खड़े होकर (Standing): खिलाड़ी बिना किसी सहारे के सीधे खड़े होकर निशाना लगाता है।
  - लेटकर (Prone): खिलाड़ी जमीन पर लेटकर निशाना लगाता है।
  - घुटनों के बल बैठकर (Kneeling): खिलाड़ी एक घुटने पर बैठकर निशाना लगाता है।
- समय सीमा (Time Limit): प्रत्येक इवेंट के लिए एक निश्चित समय सीमा होती है। जैसे, 10 मीटर एयर राइफल में 60 शॉट्स के लिए 1 घंटा 15 मिनट का समय मिलता है।

3. शॉटगन के नियम (ट्रैप और स्कीट)

शॉटगन इवेंट में मिट्टी से बनी उड़ती हुई डिस्क (क्ले टारगेट) पर निशाना लगाया जाता है।

- ट्रैप (Trap): इस इवेंट में खिलाड़ी एक निश्चित जगह पर खड़े होते हैं और लक्ष्य (डिस्क) को एक मशीन अलग–अलग दिशाओं और ऊँचाइयों से छोड़ती है। खिलाड़ी को हर डिस्क पर दो शॉट (फाइनल में एक शॉट) लगाने का मौका मिलता है।
- स्कीट (Skeet): इस इवेंट में खिलाड़ी 8 अलग–अलग स्टेशनों से निशाना साधते हैं। इसमें दो मशीनें होती हैं जो एक ही समय में या अलग–अलग समय पर डिस्क छोड़ती हैं। खिलाड़ी हर डिस्क पर एक शॉट लगा सकता है।
- अंकः हर डिस्क को तोड़ने पर एक अंक मिलता है। यदि डिस्क का एक टुकड़ा भी टूट जाए, तो उसे हिट माना जाता है।

राइफल और पिस्टल इवेंट्स में मार्किंग

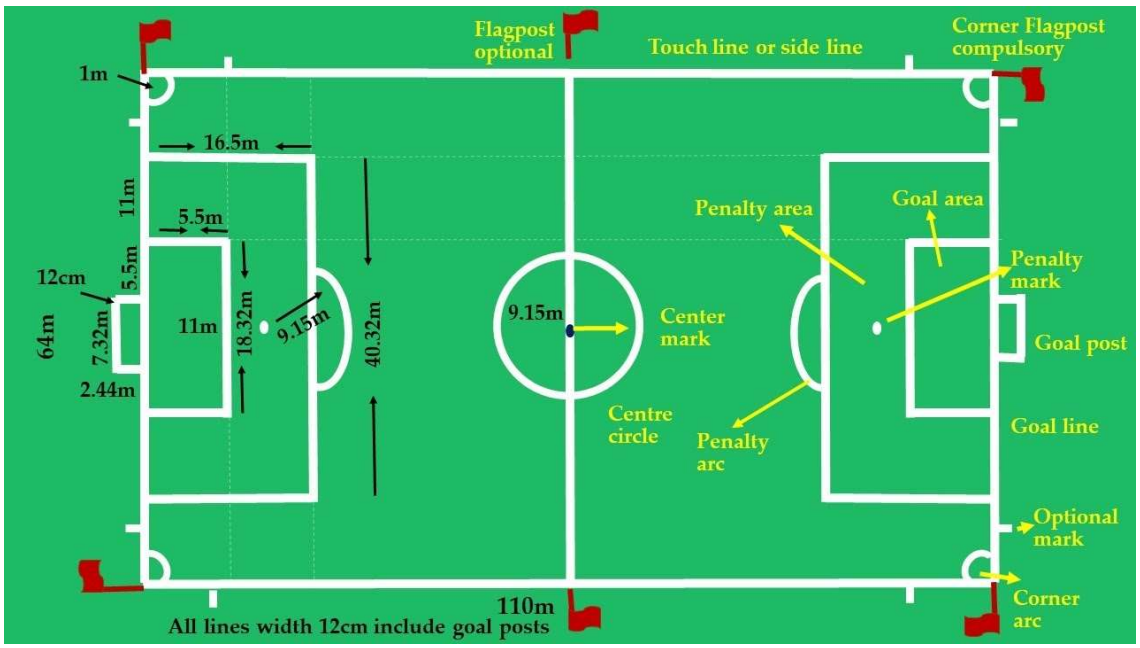

शूटिंग स्कोर शीट

TRAP SHOOTING SCORE SHEET

SQUAD:_____ EVENT:_____ CLUB:_____ CITY/STATE:_____ DATE:_____

Class	Name	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	TOTAL
	1																										
	2																										
	3																										
	4																										
	5																										

Class	Name	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	TOTAL
	1																										
	2																										
	3																										
	4																										
	5																										

Class	Name	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	TOTAL
	1																										
	2																										
	3																										
	4																										
	5																										

Class	Name	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	TOTAL
	1																										
	2																										
	3																										
	4																										
	5																										

Class	Name	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	TOTAL
	1																										
	2																										
	3																										
	4																										
	5																										

Class	Name	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	TOTAL
	1																										
	2																										
	3																										
	4																										
	5																										

राइफल और पिस्टल शूटिंग के उपकरण

ये उपकरण खिलाड़ी को स्थिरता और सुरक्षा प्रदान करने के लिए होते हैं।

- बंदूक (Gun):
  - राइफल (Rifle): 10 मीटर एयर राइफल, 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस आदि के लिए इस्तेमाल होती है। ये आमतौर पर सिंगल–लोडेड होती हैं।

  - पिस्टल (Pistol): 10 मीटर एयर पिस्टल, 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल आदि में उपयोग होती हैं। एयर पिस्टल का कैलिबर 4.5 मिमी और .22 बोर पिस्टल का कैलिबर 5.6 मिमी होता है।

- गोली (Ammunition): राइफल और पिस्टल के लिए विशेष तरह के छर्रे (Pellets) या गोलियां इस्तेमाल की जाती हैं।

- निशाना (Target):
  - पेपर टारगेटः पारंपरिक लक्ष्य जो कागज पर छपे होते हैं।
  - इलेक्ट्रॉनिक टारगेटः आधुनिक स्कोरिंग सिस्टम जिसमें निशाना लगते ही कंप्यूटर पर स्कोर दिख जाता है।
- शूटिंग सूट (Shooting Suit): यह एक विशेष प्रकार का सूट होता है जो मोटे और कठोर कपड़े से बना होता है। यह शरीर को स्थिरता देता है ताकि खिलाड़ी बिना हिले–डुले निशाना लगा सके।
- शूटिंग जूते (Shooting Shoes): ये विशेष रूप से डिजाइन किए गए जूते होते हैं जो जमीन पर बेहतर पकड़ और स्थिरता देते हैं।
- आई शील्ड/साइड ब्लिंडर (Eye Shield/Side Blinder): आँखों के पास लगाया जाने वाला एक छोटा उपकरण ताकि खिलाड़ी केवल लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर सके और आसपास की चीजों से ध्यान न भटके।
- ईयर प्रोटेक्शन (Ear Protection): कानों की सुरक्षा के लिए ईयर मफ्स या ईयरप्लग्स पहने जाते हैं ताकि गोली की आवाज से कानों को नुकसान न पहुँचे।
- शूटिंग स्टैंडः यह राइफल को रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, खासकर जब खिलाड़ी अभ्यास कर रहा हो।

शॉटगन शूटिंग के उपकरण

शॉटगन शूटिंग में उड़ते हुए लक्ष्य पर निशाना लगाया जाता है, इसलिए इसके उपकरण थोड़े अलग होते हैं।

- शॉटगन (Shotgun): ट्रैप और स्कीट जैसे इवेंट में इस्तेमाल होने वाली बंदूक।
- शॉट्स (Shots): ये बंदूक के अंदर भरे जाने वाले छोटे छर्रे होते हैं।
- क्ले टारगेट (Clay Target): ये मिट्टी से बनी हुई डिस्क होती हैं जिन्हें मशीन द्वारा हवा में फेंका जाता है।
- क्ले टारगेट मशीन (Clay Target Machine): यह एक मशीन होती है जो ट्रैप और स्कीट के लिए क्ले टारगेट को हवा में फेंकती है।
- सुरक्षात्मक गियरः इसमें आँख और कान की सुरक्षा के लिए चश्मे और ईयर प्रोटेक्शन शामिल हैं, जो अनिवार्य होते हैं।

शूटिंग के सामान्य शब्द

- बुलेमलम (Bullseye): लक्ष्य के सबसे बीच का बिंदु, जिसका मान सबसे अधिक होता है।
- स्कोरिंग रिंग्स (Scoring Rings): लक्ष्य पर बने गोल घेरे, जिनके अलग–अलग अंक होते हैं (1 से 10 तक)।
- प्वाइंट (Point): लक्ष्य पर एक अंक।
- शॉट (Shot):बंदूक से एक बार गोली चलाना।
- फायर (Fire): गोली चलाने की क्रिया।
- क्वालिफिकेशन (Qualification): प्रतियोगिता का प्रारंभिक दौर जिसमें खिलाड़ी फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं।
- फाइनल (Final): प्रतियोगिता का अंतिम दौर जिसमें पदक के लिए शीर्ष खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं।
- पेनल्टी (Penalty): नियमों का उल्लंघन करने पर दिया जाने वाला दंड।

तकनीक और पोजीशन से जुड़े शब्द

- सटीकता (Accuracy): निशाने की सही जगह पर लगने की क्षमता।
- पोजीशन (Position): निशानेबाजी करते समय शरीर की मुद्रा, जैसेरू
    - स्टैंडिंग (Standing): खड़े होकर निशाना लगाना।
    - प्रोन (Prone): जमीन पर लेटकर निशाना लगाना।
    - नीलिंग (Kneeling): एक घुटने पर बैठकर निशाना लगाना।
- टारगेटिंग (Targeting): लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की क्रिया।
- साइट (Sight): बंदूक पर लगा वह उपकरण जिसकी मदद से निशाना साधा जाता है।
- ब्रेथिंग (Breathing): निशाना लगाते समय सांसों को नियंत्रित करना।
- ट्रिगर कंट्रोल (Trigger Control): ट्रिगर को धीरे और सहज तरीके से दबाना ताकि निशाना न बिगड़े।

शॉटगन से जुड़े शब्द

- क्ले (Clay): मिट्टी से बनी उड़ने वाली डिस्क जिस पर शॉटगन से निशाना लगाया जाता है।
- ट्रैप (Trap): शॉटगन का एक इवेंट जिसमें क्ले को अलग–अलग दिशाओं से फेंका जाता है।
- स्कीट (Skeet): शॉटगन का दूसरा इवेंट जिसमें क्ले को दो अलग–अलग मशीनों से फेंका जाता है।
- हिट (Hit): क्ले को सफलतापूर्वक तोड़ना, जिससे एक अंक मिलता है।
- मिस (Miss): क्ले को नहीं तोड़ पाना, जिससे कोई अंक नहीं मिलता।

संघ

बिहार (राज्य स्तर)

- बिहार राज्य राइफल एसोसिएशन (Bihar State Rifle Association)
- यह बिहार में निशानेबाजी खेल के विकास और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। यह राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए बिहार की टीम का चयन करती है।

राष्ट्रीय (भारत)

- नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (National Rifle Association of India & NRAI)
- NRAI भारत में निशानेबाजी खेल की राष्ट्रीय गवर्निंग बॉडी है।
- इसकी स्थापना 1951 में हुई थी और इसका उद्देश्य भारत में निशानेबाजी को बढ़ावा देना है।
- NRAI राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं जैसे ओलंपिक, विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम का चयन करता है।

अंतर्राष्ट्रीय

- इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (International Shooting Sport Federation – ISSF)
- ISSF दुनिया भर में निशानेबाजी का सर्वोच्च शासी निकाय (governing body) है।
- इसकी स्थापना 1907 में हुई थी और यह ओलंपिक खेलों में निशानेबाजी की देखरेख करता है।
- ISSF, विश्व कप, विश्व चैम्पियनशिप और अन्य प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है।

प्रतियोगिताएँ

राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं (National Competitions)

भारत में निशानेबाजी का संचालन नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (NRAI) करता है। NRAI द्वारा आयोजित कुछ प्रमुख राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं इस प्रकार हैंरू

- नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप कॉम्पिटिशन्स (NSCC): यह भारत की सबसे प्रतिष्ठित और सबसे बड़ी राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता है। इसमें सीनियर, जूनियर और अन्य आयु वर्गों के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। यह प्रतियोगिता पूरे साल कई चरणों में आयोजित होती है।
- ऑल इंडिया जी.वी. मावलंकर शूटिंग चैम्पियनशिप (AIGVMSC): यह एक प्रमुख प्रतियोगिता है जो राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के लिए योग्यता प्रदान करती है।
- खेलो इंडिया गेम्सः यह भारत सरकार की एक पहल है जो युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की जाती है। इसमें निशानेबाजी भी एक महत्वपूर्ण खेल है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं (International Competitions)

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निशानेबाजी का संचालन अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (ISSF) करता है। FIE के तहत कई बड़ी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं:

- ओलंपिक खेल (Olympic Games): यह निशानेबाजी की सबसे बड़ी और सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है, जो हर चार साल में होती है। इसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की कई स्पर्धाएं शामिल होती हैं।
- आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप (ISSF World Championships): यह विश्व स्तर की एक बड़ी प्रतियोगिता है जो हर चार साल में एक बार होती है। इसमें ओलंपिक और गैर–ओलंपिक दोनों तरह के इवेंट शामिल होते हैं।
- आईएसएसएफ विश्व कप (ISSF World Cup): यह एक सीरीज–आधारित प्रतियोगिता है जो हर साल कई चरणों में दुनिया भर के विभिन्न शहरों में आयोजित होती है। इसमें मिले अंक (रैंकिंग पॉइंट्स) खिलाड़ियों को विश्व कप फाइनल और अन्य बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने में मदद करते हैं।
- आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल (ISSF World Cup Final): यह साल के अंत में होने वाली एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है जिसमें विश्व कप सीरीज के शीर्ष खिलाड़ी और कुछ विशेष विजेता हिस्सा लेते हैं।
- एशियाई खेल (Asian Games): यह एशिया के देशों के लिए सबसे बड़ा खेल आयोजन है जिसमें निशानेबाजी भी शामिल है।
- एशियाई चैम्पियनशिप (Asian Championships): यह एशियाई महाद्वीप के देशों के लिए एक प्रमुख निशानेबाजी प्रतियोगिता है।

भारत और बिहार के खिलाड़ियों का प्रदर्शन

ओलंपिक में उपलब्धियाँ

निशानेबाजी ने भारत को ओलंपिक में कई यादगार पल दिए हैं:

- अभिनव बिंद्राः 2008 के बीजिंग ओलंपिक में अभिनव बिंद्रा ने 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा। वह ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने।

- राज्यवर्धन सिंह राठौरः 2004 के एथेंस ओलंपिक में, उन्होंने पुरुषों की डबल ट्रैप स्पर्धा में रजत पदक जीता, जो निशानेबाजी में भारत का पहला व्यक्तिगत ओलंपिक पदक था।
- विजय कुमारः 2012 के लंदन ओलंपिक में, विजय कुमार ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया।
- गगन नारंगः इसी लंदन ओलंपिक में, गगन नारंग ने 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक हासिल किया।
- पेरिस ओलंपिक 2024: पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक जीते, जो एक ही ओलंपिक में भारत का सबसे अच्छा प्रदर्शन था।
    - मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता।
    - मनु भाकर और सरबजोत सिंह की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता।

    - स्वप्निल कुसाले ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशंस में कांस्य पदक जीता।

ओलंपिक के अलावा, भारतीय निशानेबाजों ने अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी अपनी छाप छोड़ी है:

- विश्व चैम्पियनशिपः भारतीय खिलाड़ियों ने विश्व चैम्पियनशिप में भी कई पदक जीते हैं, जिसमें अभिनव बिंद्रा, मनु भाकर और अन्य निशानेबाजों के प्रदर्शन शामिल हैं।
- एशियाई खेल और कॉमनवेल्थ खेलः इन खेलों में भारत का प्रदर्शन हमेशा उत्कृष्ट रहा है। भारतीय निशानेबाजों ने इन प्रतियोगिताओं में कई स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते हैं, जिससे भारत पदक तालिका में शीर्ष स्थानों में से एक पर बना रहा है।
- आईएसएसएफ विश्व कपः भारतीय निशानेबाजों ने आईएसएसएफ विश्व कप के विभिन्न चरणों में नियमित रूप से पदक जीते हैं। कई भारतीय खिलाड़ी जैसे अपूर्वी

चंदेला, सौरभ चौधरी, मनु भाकर, दिव्यांश सिंह पंवार, और ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर ने विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतकर विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

बिहार के खिलाड़ियों ने निशानेबाजी (Shooting Sports) में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धीरे–धीरे अपनी पहचान बनाई है। हाल के वर्षों में, राज्य के निशानेबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जिससे इस खेल में बिहार का भविष्य उज्ज्वल दिख रहा है।

यहाँ बिहार के निशानेबाजों की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख उपलब्धियाँ दी गई हैं:

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियाँ

- श्रेयसी सिंह (Shreyasi Singh): श्रेयसी सिंह बिहार की सबसे प्रमुख निशानेबाज हैं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की हैं:
    - कॉमनवेल्थ गेम्सः 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स (ऑस्ट्रेलिया) में उन्होंने महिलाओं की डबल ट्रैप स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले, 2014 के कॉमनवेल्थ गेम्स (ग्लास्गो) में उन्होंने इसी स्पर्धा में रजत पदक जीता था।
    - ओलंपिक में चयनः श्रेयसी सिंह पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भारत की 21 सदस्यीय निशानेबाजी टीम में चुनी गई थीं। वह ओलंपिक में भाग लेने वाली बिहार की पहली महिला खिलाड़ी बनीं।

राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियाँ

श्रेयसी सिंह के अलावा भी कई युवा निशानेबाज राष्ट्रीय स्तर पर बिहार का नाम रोशन कर रहे हैं:

- उत्तम कुमारः उत्तम कुमार ने राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीते हैं और बिहार का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने कई चुनौतियों का सामना करते हुए भी निशानेबाजी का अपना जुनून बनाए रखा।
- आर्या सिसोदियाः आर्या ने हाल ही में हुई 35वीं बिहार राज्य शूटिंग चैम्पियनशिप में तीन पदक जीते हैं, जिनमें 2 रजत और 1 कांस्य पदक शामिल है। उनके इस प्रदर्शन से भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर उनके सफलता की उम्मीद है।
- बिहार राज्य शूटिंग चैम्पियनशिपः बिहार में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। उदाहरण के लिए, 25वीं स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप में, कल्याण बीघा शूटिंग रेंज के 32 निशानेबाजों में से 29 ने पदक जीते थे।

शूटिंग पर आधारित अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

प्र0 1.	**शूटिंग स्पोर्ट्स क्या है?**
उत्तर	शूटिंग स्पोर्ट्स या निशानेबाजी खेल प्रतिस्पर्धात्मक और मनोरंजक गतिविधियों का एक समूह है, जिसमें सटीकता, परिशुद्धता और गति की दक्षता का परीक्षण किया जाता है। इसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन जैसे हथियारों का उपयोग करके स्थिर या गतिशील लक्ष्यों पर निशाना लगाया जाता है।
प्र0 2.	**शूटिंग को कितनी मुख्य श्रेणियों में बांटा गया है?**
उत्तर	शूटिंग को तीन मुख्य श्रेणियों में बांटा गया हैः राइफल शूटिंग, पिस्टल शूटिंग और शॉटगन शूटिंग।
प्र0 3.	**राइफल शूटिंग क्या है?**
उत्तर	राइफल शूटिंग में, खिलाड़ी 10 मीटर या 50 मीटर जैसी अलग–अलग दूरियों से स्थिर लक्ष्यों पर निशाना लगाते हैं। इसमें 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस जैसे इवेंट शामिल हैं
प्र0 4.	**शॉटगन शूटिंग में कौन से इवेंट होते हैं?**
उत्तर	शॉटगन शूटिंग में खिलाड़ी चलती हुई डिस्क (क्ले टारगेट) पर निशाना लगाते हैं। इसके मुख्य इवेंट ट्रैप और स्कीट हैं।
प्र0 5.	**राइफल शूटिंग में कौन–कौन सी पोजीशन होती हैं?**
उत्तर	राइफल शूटिंग में तीन मुख्य पोजीशन होती हैंः खड़े होकर (Standing), लेटकर (Prone), और घुटनों के बल बैठकर (Kneeling)।
प्र0 6.	**शूटिंग में सुरक्षा के क्या नियम हैं?**
उत्तर	सुरक्षा के लिए कुछ अनिवार्य नियम हैं, जैसे जब तक खिलाड़ी शूटिंग लाइन पर न हो, तब तक बंदूकें हमेशा खोली हुई (नदसवंकमक) और सेफ्टी फ्लैग के साथ होनी चाहिए। बंदूक का बैरल हमेशा लक्ष्य या सुरक्षित दिशा की ओर होना चाहिए, किसी भी व्यक्ति की ओर नहीं । सभी खिलाड़ियों को आँखों और कानों की सुरक्षा के लिए शूटर के चश्मे और ईयर मफ्स पहनना अनिवार्य है।
प्र0 7.	**शूटिंग में स्कोरिंग कैसे की जाती है?**
उत्तर	राइफल और पिस्टल शूटिंग में लक्ष्य पर 1 से 10 तक के अंक बने होते हैं, जिसमें 10 अंक सबसे बीच वाले रिंग के लिए होता है। आधुनिक प्रतियोगिताओं में इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग सिस्टम का उपयोग किया जाता है जो गोली लगने के तुरंत बाद अंक बताता है। फाइनल राउंड में दशमलव अंक प्रणाली (Decimal Scoring) का उपयोग होता है, जिसमें 10 के वलय को 10.0 से 10.9 तक के मानों में विभाजित किया जाता है।
प्र0 7.	**फाइनल राउंड के लिए खिलाड़ियों का चयन कैसे होता है?**
उत्तर	क्वालिफिकेशन राउंड के बाद, सबसे ज्यादा अंक हासिल करने वाले शीर्ष 8 खिलाड़ी फाइनल राउंड में प्रवेश करते हैं। फाइनल में अंक नए सिरे से शुरू होते हैं और पिछले अंकों की गिनती नहीं होती।